समावेशी विकास हमारे समस्त प्रयासों का मूल है - लोक सभा अध्यक्ष

जेनेवा, 21 अक्तूबर 2015: दूसरे देशों से उदार और बेहतर आवागमन के लिए नैतिक और आर्थिक अनिवार्यता" विषय पर जेनेवा में आयोजित की जा रही अन्तर संसदीय संघ की 133 वीं सभा की आम चर्चा में भाग लेते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि समावेशी विकास हमारे समस्त प्रयासों का मूल है। इस पृष्ठभूमि में उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना को दोहराया जिसमें समावेशी विकाश सम्मिलित है।उन्होंने यह कहा कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने राज्य की सीमाओं को तोड़ दिया है,जिसके परिणामस्वरूप अब लोगों, वस्तुओं, सेवाओं और विचारों का निर्बाध आवागमन हो रहा है। उन्होंने यह महसूस किया कि आर्थिक कारणों के अलावा वर्तमान संकट मुख्यतः शरणार्थियों की समस्या से जुड़ा हुआ है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारतीय दर्शन के अनुसार पूरा विश्व एक परिवार है,और प्रवास को इसी परिपेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। इस पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि भारतीय मानसिकता में मानवतावादी दृष्टिकोण की जड़ें बहुत गहरी हैं।

शिष्टमंडल के सदस्यों ने आई पी यू के एशिया प्रशान्त भू राजनैतिक समूह की बैठक में भाग लिया और समूह की चर्चाओं में अपना योगदान दिया। महिला सांसदों, श्रीमती गीता कोथापल्ली और श्रीमती बी सत्यबामा ने महिला सांसदों की बैठक में भाग लिया।

श्री दुष्यन्त चौटाला, संसद सदस्य और श्रीमती गीता कोथापल्ली, संसद सदस्य ने युवा सांसदों के मंच की बैठक में भाग लिया। श्री राज कुमार सिंह, संसद सदस्य और डॉ. हरि बाबू कंभमपति, संसद सदस्य ने शांति और अन्तरराष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया और आतंकवाद : लोकतंत्र व्यक्तिगत अधिकारों को चुनौती के विरूद्ध वैश्विक सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता" विषय पर भारत समूह का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। श्री ईश्वर लाल शंकर लाल जंगा, संसद सदस्य, डॉ हरि बाबू कंभमपति संसद सदस्य और प्रोफेसर एम. वी. राजीव गौड़ा संसद सदस्य ने लोकतंत्र और मानव अधिकारों संबंधी स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया और 'डिजिटल युग में लोकतंत्र और निजता और व्यक्तिगत स्वतन्त्रता को चुनौती विषय पर प्रारूप संकल्प में संशोधन का सुझाव दिया।

श्रीमती सुमित्रा महाजन, माननीय लोक सभा अध्यक्ष, श्री आर के सिंह संसद सदस्य और श्री रंगासाथी रामकृष्ण, संसद सदस्य ने शासी परिषद की बैठक में भाग लिया जिसमें अन्य बातों के साथ - साथ 2016 हेतु आई पी यू के प्रारूप कार्यक्रम और बजट हाल की आई पी यू की विशेष बैठकों की रिपोर्टों पर चर्चा की।

श्री नागेन्द्र सिंह संसद सदस्य और रंगासाथी रामकृष्ण, संसद सदस्य ने "2015 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन पर संसदीय योगदान" विषय पर सतत विकास वित्त और व्यापर संबंधी स्थायी समिति की बैठक और "मानवता की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के विनाश और पतन से सतत सुरक्षा सुनिश्चित करना" विषय पर चर्चा में भाग लिया।

शिष्टमंडल के सदस्यों ने "आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिबध्यताओं को पूरा करने में संसदीय कार्यवाही विषय पर पैनल चर्चा में भाग लिया। वे महिला सांसदों की बैठक द्वारा आयोजित संसदीय निगरानी और राजनैतिक इक्छाशक्ति" विषय पर तुलनात्मक चर्चा में भी भाग लेंगे।

शिष्टमंडल ने आई पी यू की चौथी स्थायी समिति की बैठक में भी भाग लिया जो अन्य बातों के साथ -साथ संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग के कार्यों की समीक्षा करती है और अंतरराष्ट्रीय विवादों के निपटान में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आई पी जे) की भूमिका पर भी चर्चा की। माननीय लोक सभा अध्यक्ष ने सभा की अध्यक्षता की और उनकी अध्यक्षता में "समावेशी विकास हमारे समस्त प्रयासों का मूल है" विषय पर सभा की सामान्य चर्चा पूरी हुई।

सभा 21 अक्तूबर, 2015 को अपने अंतिम सत्र में "डिजिटल युग में लोकतंत्र और निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुनौती" विषय और आपातकालीन मुद्दों पर प्रारूप संकल्पों को स्वीकार करेगी। भारतीय शिष्टमंडल ने यह सुनिश्चित किया कि उक्त संकल्पों में भारत के हितों को पर्याप्त स्थान मिलें।